पेज 04

KOLHAN समाचार

सच्चाई के साथ

हाता-चाईबासा मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों की होगी निगरानी - पेज 2

WWW.KOLHANSAMACHARLIVE.COM जमशेदपुर, सोमवार 15 जून से रविवार 21 जून 2026 ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष संवत 2082 ● पृष्ठ : 04 ● वर्ष : 01, अंक : 02 जमशेदपुर से प्रकाशित - डिजिटल एडिशन

बीपीएससी का फाइनल रिजल्ट आउट... यूपी की श्रद्धा पांडे बनीं टॉपर, दूसरे स्थान पर शशांक गौरव

पटना : बिहार लोग सेवा आयोग (BPSC) ने 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (CCE) का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। इस परीक्षा में प्रथम स्थान पर उत्तर प्रदेश की श्रद्धा पांडे रहीं, जिन्होंने 593 अंक हासिल किए हैं। वहीं, दूसरे स्थान पर शशांक गौरव (592 अंक) और तीसरे स्थान पर आयुष बिजॉय (592 अंक) रहे। रिजल्ट आयोग के अध्यक्ष रवि मनुभाई परमार ने जारी किया है।

इस भर्ती प्रक्रिया में कुल 2035 पदों के लिए वैकेंसी निकाली गई थी, जिनमें से 2027 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। यह BPSC के इतिहास की सबसे बड़ी वैकेंस मानी जा रही है। लगभग 4.83 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जबकि 3.28 लाख उम्मीदवार प्रारंभिक परीक्षा में शामिल हुए। प्रारंभिक परीक्षा 13 दिसंबर 2024 को आयोजित की गई थी। एक केंद्र पर गड़बड़ी के चलते पटना में री-एग्जाम कराया गया, जो 4 जनवरी 2025 को हुआ। प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम 23 जनवरी 2025 को जारी हुआ, जिसमें 21 हजार 581 अभ्यर्थी मेंस परीक्षा के लिए सफल हुए।

पटना के बापू परीक्षा परिसर में गड़बड़ी के आरोपों के बाद बड़ा हंगामा हुआ था, जिसके चलते इस केंद्र की परीक्षा दोबारा कराई गई। इसी मुद्दे पर लगभग तीन महीने तक प्रदर्शन भी चला और मामला कोर्ट तक पहुंचा। हालांकि, आयोग ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बताते हुए आगे की चयन प्रक्रिया जारी रखी। मेंस परीक्षा 25 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 के बीच पटना में आयोजित हुई। इस चरण में 5 हजार 449 उम्मीदवार इंटरव्यू के लिए चयनित हुए। आयोग ने बताया कि इंटरव्यू प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने के लिए कोड आधारित मूल्यांकन और लॉटरी सिस्टम अपनाया गया। इंटरव्यू में अभ्यर्थियों की पहचान छिपाकर केवल कोड के आधार पर मूल्यांकन किया गया। कुल 5450 उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया गया, जो चयन प्रक्रिया की व्यापकता को दर्शाता है।

महिला अभ्यर्थियों का प्रदर्शन और कोटा सिस्टम : इस परीक्षा में महिलाओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। टॉप 20 में 10 और टॉप 50 में 25 महिलाओं ने जगह बनाई। चयनित 2027 उम्मीदवारों में 1282 पुरुष और 745 महिलाएं शामिल हैं। कोटे के तहत अनारक्षित वर्ग से 843, ईडब्ल्यूएस से 194, बीसी से 259, ईबीसी से 335, एससी से 316, एसटी से 21, बीसी महिला वर्ग से 59 उम्मीदवार चुने गए हैं। इसके अलावा 61 दिव्यांग और 36 स्वतंत्रता सेनानी आश्रितों का भी चयन हुआ है।

आरोपों पर आयोग का जवाब और अंतिम चयन : आयोग ने कहा है कि पेपर लीक और अनियमितताओं के सभी आरोप बेबुनियाद पाए गए हैं। साथ ही कोर्ट ने भी इन आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं पाया। आयोग का कहना है कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और नियमों के अनुसार पूरी की गई। अब चयनित अभ्यर्थियों को संबंधित विभागों में नियुक्ति के लिए अनुशंसा भेजी जाएगी। यह परीक्षा BPSC के इतिहास की सबसे बड़ी और सबसे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से एक रही है।

तेज प्रताप यादव का सनसनीखेज आरोप : आकाश यादव रच रहे लालू प्रसाद और मेरी हत्या की साजिश

पटना : जनशक्ति जनता दल (JJD) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप ने शनिवार को कहा कि उन्होंने अपने पूर्व सहयोगी के खिलाफ़ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने तेज प्रताप और उनके पिता की हत्या की साज़िश रची थी।

शुक्रवार को सचिवालय पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में तेज प्रताप यादव ने आरोप लगाया कि उनके पूर्व सहयोगी आकाश यादव और उनके परिवार ने उन्हें और उनके बीमार पिता को मारने की साज़िश रची है। यादव ने पत्रकारों से कहा कि मेरी शिकायत के आधार पर आकाश यादव, उनकी बहन अनुष्का यादव और छह अन्य लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। वे मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरे पिता लालू प्रसाद जी बीमार हैं... वे मुझे और मेरे पिता को मारने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने का अनुरोध किया। शिकायत में जिन लोगों के नाम हैं, उनमें अनुष्का यादव भी शामिल हैं। तेज प्रताप ने दावा किया था कि वे उनके साथ रिलेशनशिप में हैं, जबकि वे पहले से ही किसी दूसरी महिला से शादीशुदा थे।

इस घटना के बाद उनके पिता ने उन्हें RJD से निकाल दिया, हालांकि बाद में पूर्व राज्य मंत्री ने अपनी बात वापस ले ली और दावा किया कि यह उनके ₹हैक्डर₹ सोशल मीडिया हैंडल की वजह से हुई गलतफहमी थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि कथित धमकी किसी बड़ी राजनीतिक साज़िश का हिस्सा हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि हो सकता है कि वह (आकाश यादव) विपक्ष के साथ मिलकर मेरी हत्या करवाना चाहते हों।

तेज प्रताप द्वारा आकाश यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने से पहले, आकाश यादव ने राज्य की राजधानी के पाटलिपुत्र पुलिस स्टेशन में JJD प्रमुख के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आकाश यादव ने आरोप लगाया कि तेज प्रताप और उनके सहयोगी ने उनके परिवार के सदस्यों से मिलने के बहाने जबरन उनके घर में घुसने की कोशिश की। हालांकि, JJD प्रमुख ने इन आरोपों को झूठा और मनगढ़ंत बताकर खारिज कर दिया।

आकाश यादव ने बताया कि उन्हें अमेरिका के एक नंबर से कॉल आया था, जिसमें कॉल करने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि उसके संबंध जेल में बंद एक गैंगस्टर से हैं।

हाईकोर्ट तक पहुंचा राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला, न्यायिक आयोग बनाने के लिए PIL दायर

अयोध्या : उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित राम मंदिर में दान और चढ़ावे के कथित गबन का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामभक्तों को भरोसा दिया कि वे 15 दिन और इंतजार करें और एसआईटी जांच दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी। इसी बीच यह मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। वकील मोती लाल ने हाईकोर्ट में एक PIL दायर की है, जिसमें राम मंदिर ट्रस्ट पर लगे आरोपों की जांच के लिए न्यायिक आयोग बनाने की मांग की गई है। वकील मोती लाल ने कहा कि बड़े लोगों को बचाने के लिए सरकार ने SIT का गठन किया गया है, बल्कि इसमें बहुत बड़ा घोटाला है। न्यायिक आयोग का गठन किया जाए, जिसमें हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का जज इसकी जांच करें और जिला जज अयोध्या को रिसीवर अपॉइंट किया जाए। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का SIT की जांच पूरी होने तक ट्रस्ट की शक्तियों और बैंक खातों को फ्रीज कर दिया जाए।

बिरसानगर में नव निर्मित पीएम आवास में 322 लाभुकों को मिली फ्लैट की चाबी

सस्ते घर पाकर खिल उठे चेहरे, अफोर्डेबल हाउसिंग परियोजना का मंत्री, सांसद विधायक ने किया लोकार्पण

जमशेदपुर : प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत निर्मित बिरसानगर अफोर्डेबल हाउसिंग परियोजना का उद्घाटन शुक्रवार को मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार सुदिव्य कुमार द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस परियोजना में दो आवासीय ब्लॉकों में कुल 644 फ्लैट निर्मित किए गए हैं। उद्घाटन समारोह के अवसर पर 322 लाभुकों को सांकेतिक चाबी एवं आवंटन पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर लगभग 1000 लाभुकों एवं उनके परिजनों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम में सांसद विद्युत वरण महतो, जमशेदपुर पूर्व की विधायक श्रीमती पूर्णिमा साहू उपस्थित रहीं, जबकि जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ऑनलाइन

माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। रांची से मंत्री के साथ नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव, निदेशक (नगर प्रशासन) तथा निदेशक (सूडा) भी कार्यक्रम से जुड़े रहे। परियोजना स्थल बिरसानगर में नगर आयुक्त योगेन्द्र प्रसाद, उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार तथा जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। लोकार्पण समारोह के उपरांत लाभुकों द्वारा अपने नए आवासों में गृह प्रवेश एवं पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। परिवारों में उत्साह एवं हर्ष का वातावरण देखने को मिला तथा लाभुकों ने अपने सपनों का घर प्राप्त होने पर केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सांसद विद्युत वरण महतो एवं जमशेदपुर पूर्व की विधायक पूर्णिमा साहू द्वारा परियोजना परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।

उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश देते हुए नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का आह्वान किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से आवासीय परिसर को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। अपने संबोधन में मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सम्मानजनक एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। बिरसानगर अफोर्डेबल हाउसिंग परियोजना न केवल आवास उपलब्ध कराएगी, बल्कि हजारों नागरिकों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव लाएगी। यह परियोजना जमशेदपुर के शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा "सभी के लिए आवास" के संकल्प को साकार करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मानगो में ऑटो किराया बढ़ा, डिमना रूट पर 22 से लागू होंगी नई दरें

ईंधन, बीमा और स्पेयर पार्ट्स की बढ़ती लागत के कारण लिया गया निर्णय, यात्रियों को देना होगा 5 रुपये तक अधिक किराया

जमशेदपुर : मानगो क्षेत्र में ऑटो से सफर करने वाले यात्रियों के लिए 22 जून से यात्रा महंगी होने जा रही है। शिक्षित बेरोजगार ऑटो चालक संघ ने डिमना ऑटो स्टैंड से संचालित होने वाले ऑटो के किराए में 5 रुपये तक की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। डिमना ऑटो स्टैंड परिसर में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया। संघ के स्टैंड संचालक चंदन गोराई ने बताया कि सीएनजी और डीजल की बढ़ती कीमतों, वाहन बीमा से जुड़े खर्चों तथा स्पेयर पार्ट्स के दामों में लगातार हो रही वृद्धि के कारण किराया बढ़ाना आवश्यक हो गया था। नई दरों के अनुसार साकची से हीरा होटल के आगे डिमना चौक तक का किराया 15 रुपये से बढ़ाकर 20 रुपये कर दिया गया है। वहीं साकची से एमजीएम अस्पताल तक का किराया अब 20 रुपये के बजाय 25 रुपये देना होगा। संघ द्वारा जारी नई किराया

सूची के अनुसार मानगो चौक से एमजीएम अस्पताल तक का भाड़ा भी 15 रुपये से बढ़ाकर 20 रुपये कर दिया गया है।

हालांकि साकची से हीरा होटल तक का किराया 15 रुपये, मानगो चौक से डिमना चौक तक का किराया 15 रुपये तथा स्थानीय उतार-चढ़ाव का किराया 10 रुपये ही रहेगा। चंदन गोराई ने स्पष्ट किया कि निर्धारित किराया केवल स्टैंड से स्टैंड तक की यात्रा के लिए लागू होगा। यदि यात्री तय स्टॉपेज से आगे जाना चाहते हैं तो उन्हें अतिरिक्त दूरी के अनुसार अलग से किराया देना होगा। संघ का कहना है कि बढ़ती लागत के बीच ऑटो संचालन को सुचारू बनाए रखने के लिए यह निर्णय आवश्यक था।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब एक्शन की बारी!

अयोध्या : अयोध्या में राम मंदिर में कथित दान घोटाले के मामले की जांच कर रही एसआईटी की टीम लखनऊ रवाना हो गई है। 6 दिन जांच करने के बाद एसआईटी टीम लखनऊ जा रही है। रविवार (21 जून) को सीएम योगी आदित्यनाथ को इस संबंध में रिपोर्ट सौंपी जा सकती है। बता दें कि अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान राशि से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जांच एसआईटी कर रही है। एसआईटी की टीम मामले से जुड़े सभी दस्तावेजों, लेन-देन और डिजिटल रिकॉर्ड की बारीकी से जांच के बाद अब रिपोर्ट सौंप सकती है।

टिन्नू यादव से भी एसआईटी कर चुकी है पूछताछ : जांच टीम का फोकस वित्तीय रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के जरिए मामले की सच्चाई को उजागर करना है।

एसआईटी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू से भी कई घंटों तक पूछताछ कर चुकी है। टिन्नू यादव समेत नकदी गिनने, धन राशि के मैनेजमेंट और कथित गड़बड़ी से जुड़े कर्मचारियों पर एक्शन की तैयारी है। बताया जा रहा है कि कुछ बैंक कर्मियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है और उनके खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है।

सीएम योगी ने किया था SIT का गठन : यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। सरकार ने कहा था कि अगर जांच में कोई भी व्यक्ति दोषी पाया जाता है या धन के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। सीएम योगी ने कहा था श्रीराम मंदिर आस्था का विषय है, अफवाहों का नहीं। अयोध्या सनातन चेतना, सांस्कृतिक विरासत और करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का केंद्र है। सीएम योगी के निर्देश पर लखनऊ डिविजनल कमिश्नर विजय विश्वास पंत, आईजी किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन की नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी को सात दिनों के अंदर प्रारंभिक रिपोर्ट और 15 दिनों के भीतर अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने की समय सीमा तय है।

महाराष्ट्र के परभानी में बड़ा हादसा, निर्माणाधीन मंदिर की छत गिरी

- 5 श्रद्धालुओं की मौत, 18 घायल, सीएम फडणवीस ने दुख जताया

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के परभणी में शनिवार को एक दुखद घटना में मंदिर की छत का एक हिस्सा ढह गया। शुरुआती खबरों के अनुसार, कई श्रद्धालुओं के मलबे में दबे होने की आशंका है और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि 30 से 40 लोगों के फंसे होने की आशंका है, आठ लोगों को बचा लिया गया है, पांच की हालत गंभीर है और बाकी लोगों को बचाने का काम जारी है। ताजा खबरों के मुताबिक, पांच लोगों की मौत हो गई और 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में भेजा जा रहा है और वे अभी भी नुकसान का अंदाज़ा लगा रहे हैं और यह पता कर रहे हैं कि

क्या मलबे के नीचे और लोग फंसे हो सकते हैं। गिरने की सही वजह अभी पता नहीं चली है। बचाव कार्य जारी है और आगे की जानकारी का इंतज़ार है। यह घटना ऐसे समय में हुई जब सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए मंदिर में जमा हुए थे, क्योंकि आमतौर पर शनिवार को हनुमान मंदिरों में ज़्यादा भीड़ होती है। मंदिर में भीड़ के दौरान, बन रहे असेंबली हॉल की छत का एक हिस्सा और एक सपोर्टिंग पिलर अचानक गिर गया, जिससे नीचे खड़े श्रद्धालु उसकी चपेट में आ गए और मौके पर अफरातफरी मच गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हर शनिवार को ज़िले भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा के लिए यशवाड़ी मंदिर आते हैं। आज भी, प्रार्थना के लिए मंदिर परिसर में भारी भीड़ जमा हुई थी। इसी बीच, मुख्य मंदिर के सामने बन रहे हॉल का एक पिलर अचानक गिर गया, जिससे इलाके में अफरातफरी और भगदड़ मच गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पिलर के मलबे के नीचे 50 से ज़्यादा श्रद्धालुओं के फंसे होने की आशंका है। घटना की खबर मिलते ही मनवत पुलिस के असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर शिंदे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे और तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।

बिहार में खिलाड़ियों को बड़ा तोहफा, अब सीधी मिलेगी सरकारी नौकरी; लगी कैबिवेट की मुहर

पटना : बिहार के खिलाड़ियों को उनकी खेल उपलब्धियों के अनुरूप सम्मानजनक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मंत्रिपरिषद् ने बिहार उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी नियुक्ति (संशोधन) नियमावली, 2026 के अधिसूचना प्रारूप को स्वीकृति प्रदान कर दी है। खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य और उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नौकरी की स्पष्ट और बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहा है।

संशोधित नियमावली के तहत ओलंपिक खेलों में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों, ओलंपिक में शामिल किसी भी खेल विधा के किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों, क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों तथा एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को वेतन स्तर-09 (ग्रेड पे

5400 रुपये) में नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार, एशियाई खेल एवं राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल खेल विधाओं के किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों तथा रजत एवं कांस्य पदक विजेता खिलाड़ियों को वेतन स्तर-07 (ग्रेड पे 4600 रुपये) में नियुक्ति दी जाएगी।

इसके अतिरिक्त, नेशनल गेम्स एवं सीनियर नेशनल चैंपियनशिप के किसी भी प्रारूप में स्वर्ण एवं रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को वेतन स्तर-06 (ग्रेड पे 4200 रुपये) में नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। इस अवसर पर खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार के खिलाड़ियों ने सदैव राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस संशोधित नियमावली के माध्यम से हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को उनके परिश्रम और समर्पण का उचित पुरस्कार मिले। मुझे विश्वास है कि यह निर्णय न केवल हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा, बल्कि बिहार के लाखों युवाओं को खेलों को अपने करियर के रूप में अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल अवसंरचना, प्रशिक्षण सुविधाओं और खिलाड़ियों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। यह निर्णय खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और खेलों को करियर के रूप में अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। नई व्यवस्था से राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों को सरकारी सेवा में अवसर प्राप्त करने का मार्ग और अधिक सुगम होगा तथा बिहार में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

झारखंड में क्या टूट जाएगा इंडिया गठबंधन? सीएम हेमंत सोरेन की पार्टी ने साफ कर दी तस्वीर

रांची : झारखंड में राज्यसभा चुनाव के बाद कांग्रेस और RJD के बीच बढ़े मतभेद को लेकर JMM के प्रवक्ता मनोज पांडे ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने गठबंधन को जनादेश दिया है। उन्होंने ये भी दावा किया राज्य में गठबंधन की सरकार बेहतर तरीके से चलेगी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता मनोज पांडे ने मीडिया से बातचीत में कहा, "देखिए अपनी-अपनी भावनाएं हैं। कांग्रेस अपनी भावनाएं व्यक्त कर रही है और RJD अपनी भावनाएं जाहिर कर रही है लेकिन जहां तक मैं समझता हूं कि गठबंधन, सरकार चलाने के लिए है।

झारखंड की जनता ने गठबंधन को जनादेश दिया है। तमाम दलों को दिया है, सरकार चलेगी और बेहतर सरकार चलेगी, कहीं किंतु परंतु नहीं है।"

कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को राज्यसभा चुनाव में मिली हार : दरअसल, झारखंड में राज्यसभा की 2 सीटों के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को हार का मुंह देखना पड़ा। चुनाव नतीजों के बाद आरजेडी और कांग्रेस के बीच रार ठन

गई है। कांग्रेस के झारखंड प्रभारी ने इस हार का ठिकरा माले और आरजेडी के विधायकों पर फोड़ा था। जिसके बाद आरजेडी भी भड़क गई और चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस को पहले अपने गिरेबां में झांकने की जरूरत है।

कांग्रेस अपने ही विधायकों का समर्थन हासिल करने में नाकाम रही- RJD : आरजेडी का कहना है कि हमारे विधायकों ने गठबंधन धर्म निभाया है। आरजेडी ने एक्स हैंडल पर लिखा, "झारखंड प्रदेश के राज्यसभा चुनाव में नतीजों से साफ हो गया है कि कांग्रेस अपने ही सभी विधायकों का समर्थन हासिल करने में नाकाम रही।

दूसरे दलों पर बिना सोचे-समझे अनर्गल आरोप लगाने से पहले खुद में झांककर मंथन और चिंतन करना चाहिए कि विगत मार्च महीने में राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों में कांग्रेस के हरियाणा से 5, ओड़िशा से 2 और बिहार से 3 विधायकों ने BJP के पक्ष में खुलकर क्रॉस वोटिंग की थी।" आरजेडी ने ये भी कहा कि कांग्रेस के नेता अपनी असफलता और नाकामी छिपाने का प्रयास कर रहे हैं।

संयुक्त यूनियनों का आंदोलन रंग लाया, फिलहाल टली बायोमेट्रिक हाजिरी व्यवस्था

प्रबंधन, प्रशासन और यूनियनों के बीच वार्ता के बाद बनी सहमति, न्यायालय के अंतिम फैसले तक पुरानी हाजिरी प्रणाली रहेगी जारी

- आंदोलन समाप्त होने के बाद खदानों में सामान्य होने लगा कामकाज
- कई दौर के वार्ता के बाद निकला विवाद का समाधान

गुवा : सेल की लौह अयस्क खदानों में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को लेकर चल रहा श्रमिक आंदोलन सोमवार देर शाम सकारात्मक मोड़ पर पहुंच गया। रात करीब 7 बजे प्रबंधन, प्रशासन और संयुक्त यूनियनों के बीच हुई महत्वपूर्ण बैठक में सहमति बनी कि फिलहाल बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू नहीं की जाएगी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जब तक बायोमेट्रिक प्रणाली से संबंधित मामला न्यायालय में विचाराधीन है और अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक सेल की खदानों में पुरानी पंचिंग कार्ड एवं हाजिरी व्यवस्था ही जारी रहेगी। प्रबंधन की ओर से यह आश्वासन मिलने के बाद संयुक्त यूनियनों ने अपना आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी। इसके बाद श्रमिकों ने राहत की सांस ली और रात्रि पाली से पुनः अपने-अपने कार्यस्थलों के लिए रवाना हो गए।

इससे पहले सोमवार को गुवा स्थित एचआरडी भवन में प्रबंधन, प्रशासन और संयुक्त यूनियनों के बीच कई दौर की वार्ता हुई थी। प्रारंभिक दौर की बातचीत में कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकलने पर संयुक्त यूनियनों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया था। यूनियन नेताओं ने स्पष्ट कहा था कि जब तक न्यायालय का अंतिम निर्णय नहीं आ जाता, तब तक बायोमेट्रिक व्यवस्था किसी भी स्थिति में लागू नहीं होने दी जाएगी। बैठक में किरीबुरू के एसडीपीओ विनीत कुमार किंडो भी मौजूद रहे। उन्होंने सभी पक्षों से न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करने और आपसी संवाद के माध्यम से समाधान निकालने की अपील की। यूनियन प्रतिनिधियों ने कहा कि वे न्यायालय और कानून का सम्मान करते हैं, लेकिन मामला मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय) के समक्ष विचाराधीन होने के कारण अंतिम आदेश आने तक पुरानी व्यवस्था जारी रहनी चाहिए।

गौरतलब है कि सोमवार की पहली पाली से किरीबुरू, मेघाहातुबुरु, गुवा और चिड़िया लौह अयस्क खदानों के हजारों श्रमिकों ने बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने से इनकार कर दिया था। इसके कारण उत्पादन, लोडिंग, परिवहन और अन्य खनन गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। यूनियनों का आरोप था कि कर्मचारियों की सहमति और स्पष्ट दिशा-निर्देश के बिना नई व्यवस्था लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि देर शाम हुई सहमति के बाद फिलहाल विवाद शांत हो गया है और खदानों में कामकाज सामान्य होने लगा है। अब सभी की निगाहें न्यायालय और मुख्य श्रम आयुक्त के अंतिम निर्णय पर टिकी हुई हैं, जो भविष्य में बायोमेट्रिक व्यवस्था के क्रियान्वयन की दिशा तय करेगा।

विश्व आदिवासी दिवस को भव्य बनाने की तैयारी शुरू

गुवा : गुवा रामनगर स्थित एसबीआई बैंक के पीछे आदिवासी क्लब परिसर में आगामी विश्व आदिवासी दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्लब के सह सचिव मंगल बिरुवा ने की। बैठक में विश्व आदिवासी दिवस को इस वर्ष और अधिक भव्य, आकर्षक तथा व्यवस्थित रूप से आयोजित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

मंगल बिरुवा ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार कार्यक्रम को अधिक व्यापक स्वरूप दिया जाएगा, ताकि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और पहचान को बेहतर ढंग से प्रदर्शित किया जा सके। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी सदस्यों और क्षेत्रवासियों से सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, जनभागीदारी और विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित लोगों ने भी आयोजन को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का भरोसा दिलाया। बैठक को संबोधित करते हुए क्लब के संरक्षक प्रदीप सुरीन ने गुवा क्षेत्र के सभी गांवों के आदिवासी समुदाय के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम से जुड़ने और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। क्लब की कोषाध्यक्ष श्रीमती द्रोपदी हेस्सा ने कहा कि आपसी सहयोग, समन्वय और सामूहिक प्रयासों से ही किसी भी आयोजन को सफल बनाया जा सकता है। समाजसेवी कपालेश्वर दोंगो ने आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक पहचान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि समाज को संगठित करने और जागरूकता बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। बैठक में गुवा पूर्वी पंचायत की मुखिया चांदमनी लागुरी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर विश्व आदिवासी दिवस को यादगार और सफल बनाने का संकल्प लिया।

राजनगर में भीषण सड़क हादसा, आयरन लदे दो ट्रेलरों की टक्कर में चालक की मौत

डीवीसी के समीप आमने-सामने की भिड़ंत में एक चालक ने गंवाई जान, दूसरा चालक घायल

- पुलिस ने शुरू की जांच, तेज रफ्तार को माना जा रहा संभावित कारण
- आमने-सामने की टक्कर से ट्रेलर का अगला हिस्सा हुआ क्षतिग्रस्त

राजनगर : सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत डीवीसी के समीप सोमवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक ट्रेलर चालक की मौत हो गई, जबकि दूसरे ट्रेलर का चालक घायल हो गया। हादसा सुबह करीब छह बजे उस समय हुआ जब आयरन (लौह अयस्क) लदा एक ट्रेलर जमशेदपुर से चाईबासा की ओर जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक अन्य आयरन लदे ट्रेलर से उसकी आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक ट्रेलर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही राजनगर पुलिस और 108 एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद केबिन में फंसे चालक को बाहर निकाला और तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राजनगर पहुंचाया। हालांकि अस्पताल पहुंचने के कुछ समय बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक चालक की पहचान चक्रधर गिरी के रूप में हुई है। वह ओडिशा के क्योंझर जिला के घटगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत अर्जुनबिला गांव का निवासी बताया जा रहा है। वहीं दूसरे ट्रेलर का चालक भी दुर्घटना में घायल हुआ है। जानकारी के अनुसार, वह प्राथमिक सहायता के बाद किसी अन्य वाहन से इलाज के लिए चाईबासा चला गया।

दुर्घटना के कारण कुछ समय तक सड़क पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था को सामान्य कराया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की। फिलहाल मृतक का शव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राजनगर में रखा गया है। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। परिजनों के पहुंचने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेजा जाएगा।

पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और आमने-सामने की टक्कर को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है।

मुसाबनी प्रखंड कार्यालय में उपायुक्त का औचक निरीक्षण, अव्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी

खुले में पड़े ट्राई साइकिल देख भड़के उपायुक्त, योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश

- जिले में विकास योजनाओं की प्रगति को लेकर प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है
- प्रशासनिक निरीक्षण से योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद

मुसाबनी : पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त राजीव रंजन ने गुरुवार को मुसाबनी प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण कर विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी अदिति गुप्ता भी मौजूद रहीं। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने प्रखंड परिसर में खुले आसमान के नीचे बिना असेंबल किए रखे गए लाखों रुपये मूल्य के ट्राई साइकिलों को देखकर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए इन सामग्रियों को शीघ्र व्यवस्थित करने और जरूरतमंद लाभुकों तक पहुंचाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और लंबित मामलों का जल्द निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर आम लोगों तक पहुंचना चाहिए और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

आंगनबाड़ी कार्यालय में भी पहुंचे उपायुक्त, कार्यों में सुस्ती पर लगाई फटकार : निरीक्षण के दौरान उपायुक्त राजीव रंजन आंगनबाड़ी सेविका कार्यालय भी पहुंचे, जहां उन्होंने कार्यों की समीक्षा की। विभागीय कर्मचारियों के जवाबों से असंतुष्ट होकर उन्होंने कार्यशैली में सुधार लाने की कड़ी हिदायत दी तथा फील्ड में जाकर सक्रिय रूप से काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उपायुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि पिछले आठ महीनों से मुसाबनी प्रखंड कार्यालय अतिरिक्त प्रभार में संचालित होने के कारण कई कार्य अपेक्षित गति से नहीं हो पाए। हालांकि, बीडीओ अदिति गुप्ता के अवकाश से लौटने के बाद विकास कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई गई।

इस अवसर पर उपविकास आयुक्त नागेंद्र पासवान, घाटशिला एसडीओ अमिताभ भक्त, बड़ा बाबू मंगल हासदा, अमित यादव, अरविंद हेंब्रम समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

एलआरडीसी ने किया कुमारडूबी पंचायत का औचक निरीक्षण

आंगनवाड़ी, राशन दुकान और विद्यालय में पहुंची प्रशासनिक टीम, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

- विद्यालय और पंचायत भवन में भी हुई जांच, अधिकारियों ने दिए सख्त निर्देश

बहरागोड़ा : बहरागोड़ा प्रखंड की कुमारडूबी पंचायत में गुरुवार को प्रशासनिक अधिकारियों की टीम के औचक निरीक्षण से पूरे क्षेत्र में हलचल मच गई। एलआरडीसी नितिन निखिल सुरीन के नेतृत्व में पहुंचे प्रशासनिक दल में बीडीओ केशव भारती और सीओ राजा राम मुंडा भी शामिल थे। टीम ने सबसे पहले धुलियापाड़ा आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया, जहां बच्चों की उपस्थिति, साफ-सफाई की व्यवस्था तथा पोषाहार वितरण की स्थिति की जांच की गई। अधिकारियों ने केंद्र के संचालन से संबंधित अभिलेखों का भी अवलोकन किया।

इसके बाद टीम जन वितरण प्रणाली की दुकान पहुंची, जहां स्टॉक रजिस्टर, खाद्यान्न वितरण व्यवस्था और लाभुकों को निर्धारित मात्रा में राशन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जांच की गई। अधिकारियों ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित कर्मियों को सरकारी योजनाओं के प्रभावी संचालन पर विशेष ध्यान देने की हिदायत दी गई। निरीक्षण के दूसरे चरण में प्रशासनिक टीम कुमारडूबी मिडिल स्कूल पहुंची। यहां शिक्षकों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच की गई तथा विद्यार्थियों को दिए जा रहे मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता का भी मूल्यांकन किया गया। अधिकारियों ने शिक्षा व्यवस्था और विद्यालय संचालन की स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

इसके बाद टीम ने पंचायत भवन का निरीक्षण कर विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति, कार्यालय संचालन और ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। एलआरडीसी नितिन निखिल सुरीन ने संबंधित कर्मियों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी सेविका, सहायिका, राशन डीलर तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई को सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनहित से जुड़े कार्यों की निगरानी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दो बाइकों की भीषण भिड़ंत में एक युवक गंभीर रूप से घायल, बारीपदा रेफर

बहरागोड़ा : बरसोल थाना अंतर्गत गोहोलामुड़ा चौक में दो बाइकों के बीच हुई सीधी टक्कर में बहरागोड़ा निवासी रविंद्र माण्डी व उनकी धर्मपत्नी प्रीति सोरेन एवं खेड़वा गांव निवासी शिवशंकर नायक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार. घायल व्यक्ति अपने मोटरसाइकिल में बहरागोड़ा से चिंचड़ा जा रहा था तभी विपरीत दिशा से आ रही दुसरी अनियंत्रित बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गया। इस भीषण दुर्घटना के पश्चात स्थानीय लोगों ने सक्रियता दिखाते हुए एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा पहुँचाया। अस्ताल में प्राथमिक उपचार के बाद रविंद्र माण्डी के नाजुक स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें रेफर कर दिया है।

कंस्ट्रक्शन निर्माण के समान चोरी मामले में सासपुर गांव से तीन युवक गिरफ्तार

जादूगोड़ा : जादूगोड़ा में कंस्ट्रक्शन निर्माण के समान चोरी मामले में सासपुर गांव से तीन युवक को जादूगोड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजे दिया। इस बाबत जादूगोड़ा थाना काण्ड सं0-13/26, आकाश यादव, पे0 लालमोहन यादव पता स्वासपुर के निशानदेही पर चोरी गई कंस्ट्रक्शन निर्माण के समान के बरामदगी के बाद सहयोगी सपन कर्मकार एवं बाबू धीबर उर्फ़ बिकाश धीबर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा भेजा गया।

दादा की जमीन गई, अब पोते ने रोकी खदान की रफ्तार

54 साल पुराने मुआवजे विवाद पर साउथ सूरदा फोर सॉफ्ट खदान गेट पर अनिश्चितकालीन नाकाबंदी शुरू

- 57 परिजनों संग खदान गेट पर डटे दीपक पातर, बोले- मुआवजा और अधिकार मिले बिना नहीं हटेंगे
- साउथ सूरदा खदान गेट पर शुरू हुई नाकेबंदी, भूमि विवाद को लेकर आंदोलन तेज

मुसाबनी : मुसाबनी क्षेत्र के साउथ सूरदा फोर सॉफ्ट खदान के मुख्य गेट पर भूमि विवाद को लेकर चल रहा आंदोलन अब नए चरण में पहुंच गया है। मंगलवार से दीपक पातर अपने परिवार के सदस्यों के साथ खदान गेट पर नाकाबंदी कर धरने पर बैठे हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि यह केवल एक परिवार का मुद्दा नहीं, बल्कि उन सभी प्रभावित परिवारों की आवाज है, जो वर्षों से अपनी जमीन के बदले उचित मुआवजा और न्याय की मांग कर रहे हैं। नाकाबंदी स्थल पर दीपक पातर ने दावा किया कि उनके परिवार के कुल 57 सदस्य आंदोलन में शामिल हैं और सभी लोग दिन-रात गेट पर डटे हुए हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन स्थल पर परिवार के सदस्य और समर्थक लगातार मौजूद हैं, जिससे क्षेत्र में इस मुद्दे को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

"अब केस नहीं, अधिकार चाहिए", न्याय की मांग पर अड़े आंदोलनकारी : दीपक पातर का कहना है कि उनके पूर्वजों की जमीन पर कई दशक पहले खनन गतिविधियां शुरू हुई थीं, लेकिन परिवार को अब तक उचित मुआवजा नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों तक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का इंतजार करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अब यह संघर्ष केवल मुआवजे तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार के अधिकार और भविष्य से जुड़ा हुआ है। आंदोलनकारियों का कहना है कि वे प्रशासन के समक्ष अपनी मांगों को मजबूती से रखेंगे और उपायुक्त से न्याय की अपेक्षा कर रहे हैं। दीपक पातर ने कहा कि अब वे किसी आश्वासन के बजाय स्पष्ट निर्णय चाहते हैं।

ग्रामीण समर्थन का दावा, आंदोलन को व्यापक स्वरूप देने की तैयारी : आंदोलन के दौरान दीपक पातर ने दावा किया कि कंपनी के कुछ प्रतिनिधि उनसे मिलने पहुंचे थे और उन्हें कानूनी प्रक्रिया अपनाने की सलाह दी गई थी। हालांकि उन्होंने कहा कि अब वे सीधे प्रशासनिक स्तर पर समाधान चाहते हैं। उनका यह भी दावा है कि आसपास के कई ऐसे परिवार, जिनकी जमीन से जुड़े समान मुद्दे हैं, इस आंदोलन से जुड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांव के लोगों का समर्थन लगातार मिल रहा है और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। समाचार लिखे जाने तक इस पूरे मामले पर कंपनी प्रबंधन या जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। ऐसे में सभी की नजरें प्रशासन और संबंधित पक्षों की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

ब्रीफ खबर

चंदनपुर में जाहेर थान घेराबंदी का विवाद सुलझा

पोटका : पोटका प्रखंड क्षेत्र के ग्वालकाटा पंचायत अंतर्गत चंदनपुर गांव में 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाली जाहेरथान घेराबंदी योजना को लेकर पिछले एक महीने से चला आ रहा विवाद आखिरकार समाप्त हो गया। समेकित जनजाति विकास अभिकरण (आईटीडीए) के परियोजना निदेशक ने बहुमत के आधार पर गठित लाभुक समिति के पक्ष में फैसला लेते हुए समिति के अध्यक्ष मोकरो हेंब्रम को कार्यादेश की प्रति सौंप दी। कार्यादेश मिलने के साथ ही गांव में खुशी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने लाभुक समिति के अध्यक्ष मोकरो हेंब्रम और सचिव जादू हेंब्रम को मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि अब लंबे समय से लंबित जाहेर थान घेराबंदी का कार्य जल्द शुरू होगा और गांव के धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल का समुचित विकास हो सकेगा। विवाद के समाधान के लिए पोटका प्रखंड कल्याण पदाधिकारी नीरज सिंह की मौजूदगी में तीसरी बार ग्राम सभा आयोजित की गई थी। आयोजित ग्राम सभा के दौरान जाहेर थान निर्माण कार्य का कार्यादेश लाभुक समिति के अध्यक्ष मोकरो हेंब्रम, सचिव जादू हेंब्रम और कोषाध्यक्ष सिंगराई हांसदा को सौंपा गया।

ग्वालकाटा पंचायत में सौर ऊर्जा आधारित डीप बोरिंग की मांग

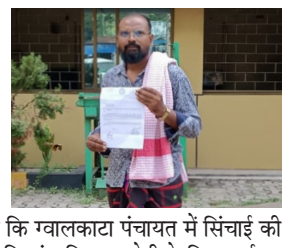

पोटका : पोटका प्रखंड के ग्वालकाटा पंचायत में किसानों के लिए सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई डीप बोरिंग की व्यवस्था किए जाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। पंचायत समिति सदस्य सीताराम हांसदा ने इस संबंध में जिले के उपायुक्त से मुलाकात कर एक मांग पत्र सौंपा है। उन्होंने बताया कि ग्वालकाटा पंचायत में सिंचाई की समुचित सुविधा नहीं होने के कारण अधिकांश किसान खेती के लिए वर्षा पर निर्भर हैं। क्षेत्र के लगभग 90 प्रतिशत किसान इंद्र देवता के भरोसे खेती करते हैं, जबकि उनकी आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि ही है। ऐसे में सिंचाई की स्थायी व्यवस्था नहीं होने से किसानों को हर वर्ष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सीताराम हांसदा ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि ग्वालकाटा पंचायत की भूमि उपजाऊ है, लेकिन सिंचाई संसाधनों के अभाव में किसान उसकी पूरी क्षमता का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि पंचायत में सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई डीप बोरिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है तो किसानों को सालभर सिंचाई का लाभ मिलेगा और क्षेत्र में एक के बजाय दो से तीन फसलें उगाना संभव हो सकेगा।

मुक्तेश्वर धाम हरिणा में सविता सरदार ने की पूजा-अर्चना

पोटका : पोटका स्थित कोल्हान के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मुक्तेश्वर धाम हरिणा में जिला परिषद सदस्य श्रीमती सविता सरदार ने भगवान महादेव की विधिवत पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए विशेष प्रार्थना की। उन्होंने भगवान भोलेनाथ से क्षेत्र में अमन-चैन बनाए रखने तथा लोगों के जीवन में सकारात्मकता और उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करने की कामना की। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के साथ उन्होंने धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लिया। इस अवसर पर सविता सरदार ने कहा कि मुक्तेश्वर धाम हरिणा क्षेत्र के लोगों की गहरी आस्था का केंद्र है, जहां पूजा-अर्चना करने से मन को शांति और नई ऊर्जा प्राप्त होती है। उन्होंने क्षेत्र के विकास, जनकल्याण और समाज में भाईचारे की भावना मजबूत होने की भी कामना की। इस मौके पर भाजपा नेता मनोज कुमार सरदार, सिद्धेश महतो, प्रकाश सरदार सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर जनहित एवं क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की।

मुक्तेश्वर धाम मेले में शाह स्पंज ने की पेयजल व्यवस्था

पोटका : पोटका के हरिणा स्थित प्रसिद्ध मुक्तेश्वर धाम में आयोजित पांच दिवसीय रोजो संक्रांति मेले के दौरान श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शाह स्पंज एंड पावर लिमिटेड ने महत्वपूर्ण पहल की है। कंपनी ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के तहत मेले में पानी का टैंकर उपलब्ध कराया है, जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को राहत मिल रही है। भीषण गर्मी के बीच यह व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए काफी उपयोगी साबित हो रही है। मेले में झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा पड़ोसी राज्यों पश्चिम बंगाल और ओड़िशा से भी हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने पहुंच रहे हैं। ऐसे में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता लोगों के लिए बड़ी सुविधा बन गई है। शाह स्पंज एंड पावर लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सत्यानंद झा ने कहा कि कंपनी हमेशा सामाजिक सरोकारों और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देती रही है। उन्होंने बताया कि रोजो संक्रांति मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करना आवश्यक था। इसी सोच के तहत कंपनी ने पानी का टैंकर उपलब्ध कराया है ताकि किसी भी श्रद्धालु को गर्मी के कारण परेशानी का सामना न करना पड़े।

वज्रपात से दामदी स्कूल टोला का ट्रांसफार्मर जला

डुमरिया : पूर्वी सिंहभूम जिले के डुमरिया प्रखंड अंतर्गत दामदी स्कूल टोला में आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा नुकसान हुआ है। वज्रपात की चपेट में आने से गांव में स्थापित 16 केवी का विद्युत ट्रांसफार्मर पूरी तरह जल गया, जिसके कारण करीब 30 परिवारों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। पिछले कई दिनों से बिजली नहीं रहने के कारण ग्रामीणों को भीषण गर्मी में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली बाधित होने से घरेलू कार्य प्रभावित हो रहे हैं, वहीं बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। समस्या के समाधान में हो रही देरी से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थिति से परेशान ग्रामीणों ने जले हुए ट्रांसफार्मर के सामने एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया और जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग उठाई। ग्रामीणों द्वारा मामले की जानकारी खैरबनी पंचायत के मुखिया सुरेंद्रनाथ हेंब्रम को दी गई। सूचना मिलते ही मुखिया मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि समस्या के समाधान के लिए विद्युत विभाग के कनीय अभियंता (जेई) से जल्द संपर्क कर नया ट्रांसफार्मर लगाने की पहल की जाएगी।

मनोहरपुर रेलवे परिसर में सुरक्षा लापरवाही उजागर

मनोहरपुर : मनोहरपुर रेलवे परिसर में चल रहे नाली निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी का मामला सामने आया है। निर्माणाधीन नाली के आसपास पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण रविवार रात एक कार दुर्घटनाग्रस्त होकर गड्ढे में जा घुसी। जानकारी के अनुसार, रेलवे परिसर में नाली निर्माण का कार्य जारी है, लेकिन निर्माण स्थल के आसपास न तो सुरक्षा बेल्ट लगाई गई थी और न ही किसी प्रकार की बैरिकेडिंग की गई थी। इसी बीच कार संख्या JH 10AM 7975 अनियंत्रित होकर निर्माणाधीन नाली के गड्ढे में जा घुसी। राहत की बात यह रही कि हादसे में कार चालक सुरक्षित बच गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और निर्माण कार्य में बरती जा रही लापरवाही को लेकर चर्चा शुरू हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार और संबंधित एजेंसियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किए गए हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने बताया कि रात के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, चेतावनी संकेतक और बैरिकेडिंग के अभाव में वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों ने रेलवे प्रशासन और संबंधित ठेकेदार से निर्माण स्थल पर तत्काल सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टर, चेतावनी बोर्ड और अन्य सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में गंभीर दुर्घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

सारंडा के साल पत्तों से आत्मनिर्भरता की राह पर नुईया गांव की महिलाएं

पत्तल निर्माण से बढ़ रही आय, वन आधारित आजीविका को मिल रहा नया आधार, बाजार से जुड़कर बढ़ रहे रोजगार के अवसर

गुवा : नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत गुवा थाना क्षेत्र के नुईया गांव की महिलाएं सारंडा के जंगलों से प्राप्त होने वाले साल पत्तों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। ग्रामीण महिलाएं जंगल से साल के पत्ते एकत्र कर उनसे पत्तल तैयार करती हैं और उनकी बिक्री कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत बना रही हैं। गांव के मुंडा दुरसू चाम्पिया ने बताया कि वन विभाग के सहयोग से महिलाओं को रोजगार से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

यह पहल न केवल ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने में सहायक साबित हो रही है, बल्कि पारंपरिक वन आधारित आजीविका को भी नई मजबूती प्रदान कर रही है।

ग्रामीणों के अनुसार सप्ताह में एक दिन महिलाएं और परिवार के अन्य सदस्य सारंडा के जंगलों से साल के पत्ते एकत्र करते हैं। इसके बाद इन पत्तों से पत्तल बनाकर बंडल तैयार किए जाते हैं। एक परिवार सप्ताह में औसतन तीन बंडल तैयार करता है, जिनका वजन लगभग 10 से 13 किलोग्राम तक होता है। गांव के करीब 20 परिवार इस कार्य से जुड़े हुए हैं और सामूहिक रूप से सप्ताह में लगभग 90 बंडल तैयार कर लेते हैं। तैयार पत्तलों की बिक्री से परिवारों को नियमित आय प्राप्त हो रही है, जिससे घरेलू खर्चों के साथ बच्चों की शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिल रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि सप्ताह में एक बार जराइकेला से वाहन गांव पहुंचता है और तैयार पत्तलों के बंडलों को लगभग 45 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीद लेता है। खरीददार इन्हें गोदाम में ले जाकर पहले सुखाते हैं, फिर मशीनों की सहायता से थाली और दोना का आकार देकर विभिन्न बाजारों में बिक्री के लिए भेजते हैं।

इस कार्य से सारिया सुरीन, गोरजो चाम्पिया, चंद्रमोहन बोदरा सहित कई परिवार जुड़े हुए हैं। ग्रामीणों का मानना है कि यदि इस पहल को और अधिक प्रोत्साहन तथा बाजार उपलब्ध कराया जाए तो सारंडा क्षेत्र के अन्य गांवों की महिलाएं भी इससे जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर विकसित हो सकते हैं।

कुरमाली विषय में नामांकन का रास्ता साफ

कोल्हन विश्वविद्यालय में स्नातक सत्र 2026-30 के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू, कुरमाली विषय भी शामिल

मनोहरपुर/खरसावां : मनोहरपुर/खरसावां क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। कोल्हन विश्वविद्यालय के अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक सत्र 2026-30 में नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 16 जून से शुरू हो गई है। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय के चांसलर पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विषयों में आवेदन कर सकते हैं। खास बात यह है कि काशी साहू कॉलेज, सरायकेला और जवाहरलाल नेहरू कॉलेज, चक्रधरपुर में कुरमाली विषय के लिए भी ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। इससे कुरमाली भाषा एवं साहित्य में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से नामांकन को लेकर बनी अनिश्चितता अब समाप्त होती दिखाई दे रही है।

पूर्व में पत्र के बाद बना था भ्रम का माहौल, अब स्थिति हुई स्पष्ट : उल्लेखनीय है कि पिछले माह झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से कोल्हन विश्वविद्यालय को भेजे गए एक पत्र में इन दोनों महाविद्यालयों में कुरमाली विषय में नामांकन नहीं लिए जाने का जिक्र किया गया था। इसके बाद कुड़माली समाज, विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। विभिन्न स्तरों पर इस विषय को लेकर चर्चाएं और आशंकाएं भी सामने आने लगी थीं। हालांकि अब चांसलर पोर्टल पर कुरमाली विषय के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होने से स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो गई है।

इससे विद्यार्थियों के साथ-साथ समाज के लोगों ने भी संतोष व्यक्त किया है और उम्मीद जताई है कि कुरमाली भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम साबित होगा।

गैरेज चौक स्थित लाइसेंसी शराब दुकान का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

उत्पाद अधीक्षक विजय क्षितिज मिंज ने विक्रय व्यवस्था, स्टॉक एवं मूल्य सूची की जांच कर दिए आवश्यक निर्देश

सरायकेला : उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी के निर्देशानुसार उत्पाद अधीक्षक विजय क्षितिज मिंज ने मंगलवार को सरायकेला नगर क्षेत्र के गैरेज चौक स्थित लाइसेंसी खुदरा शराब दुकान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मदिरा उत्पादों के उपलब्ध स्टॉक, विक्रय अभिलेखों, मूल्य सूची तथा उपभोक्ताओं को निर्धारित दर पर उत्पाद उपलब्ध कराए जाने संबंधी व्यवस्थाओं की गहन जांच की गई। जांच के क्रम में दुकान में उपलब्ध स्टॉक, बिक्री रजिस्टर एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। निरीक्षण में सभी अभिलेख अद्यतन एवं नियमानुसार संधारित पाए गए। साथ ही दुकान में प्रदर्शित मूल्य सूची और विक्रय दरों का भी मिलान किया गया, जिसमें किसी प्रकार की अनियमितता नहीं पाई गई।

ग्राहकों से ली गई जानकारी, एमआरपी पर बिक्री की पुष्टि : निरीक्षण के दौरान उत्पाद अधीक्षक ने दुकान पर मौजूद ग्राहकों से भी बातचीत कर मदिरा उत्पादों की उपलब्धता एवं विक्रय मूल्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की। ग्राहकों ने बताया कि सभी उत्पाद निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और उनसे अतिरिक्त राशि की मांग नहीं की जाती है। जांच के दौरान मूल्य निर्धारण, विक्रय प्रक्रिया तथा उपभोक्ता सुविधाओं के संबंध में भी समीक्षा की गई। विभागीय अधिकारियों ने पाया कि दुकान प्रबंधन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन किया जा रहा है तथा विक्रय व्यवस्था संतोषजनक है। निरीक्षण में मूल्य सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित मिली और स्टॉक विवरण भी अभिलेखों से मेल खाते पाए गए।

पारदर्शिता और उपभोक्ता हितों के लिए जारी रहेगा अभियान : उत्पाद अधीक्षक विजय क्षितिज मिंज ने संबंधित दुकान प्रबंधन को विभागीय प्रावधानों एवं लाइसेंस की शर्तों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी मदिरा उत्पादों की बिक्री निर्धारित एमआरपी पर ही की जाए तथा स्टॉक, विक्रय एवं अन्य अभिलेखों का नियमित और अद्यतन संधारण किया जाए। इसके अलावा मूल्य सूची को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित रखने, उपभोक्ताओं को आवश्यकतानुसार बिल उपलब्ध कराने तथा निरीक्षण के समय सभी अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जिले में मदिरा विक्रय व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने, उपभोक्ता हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और विभागीय नियमों के अनुपालन के लिए नियमित एवं औचक निरीक्षण अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बड़ाजामदा-नोवामुंडी मार्ग के जर्जर पुल के निर्माण कार्य की हुई शुरुआत, लोगों में खुशी

जर्जर पुल से बढ़ रही थी दुर्घटना की आशंका, निर्माण शुरू होने से स्थानीय लोगों ने ली राहत की सांस

गुवा : बड़ाजामदा-नोवामुंडी मुख्य मार्ग पर बालाजी प्लांट से आगे स्थित लंबे समय से जर्जर पड़े पुल के निर्माण कार्य की शुरुआत होने से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है। वर्षों से बदहाल स्थिति में पड़ा यह पुल कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता था। पुल की हालत इतनी खराब हो चुकी थी कि उसकी लोहे की सरिया बाहर निकल आई थी और बीच हिस्से में बड़ा छेद बन गया था। भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती थी। बड़ाजामदा-नोवामुंडी मार्ग क्षेत्र का अत्यंत व्यस्त सड़क मार्ग है, जहां से प्रतिदिन हजारों मालवाहक ट्रक, यात्री बसें, निजी वाहन और दोपहिया वाहन गुजरते हैं। लौह अयस्क परिवहन का प्रमुख मार्ग होने के कारण यहां चौबीसों घंटे वाहनों का आवागमन जारी रहता है।

पुल के कंक्रीट के कई हिस्से टूटकर बिखर चुके थे और लोहे की सरिया बाहर दिखाई देने लगी थी। बीच में बने बड़े गड्ढे के कारण वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर पुल पार करना पड़ता था। स्थानीय ग्रामीण लंबे समय से इसकी मरम्मत और पुनर्निर्माण की मांग कर रहे थे। प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी भी बढ़ रही थी।

बीते सप्ताह क्षेत्र की महिला समिति ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए श्रमदान कर पुल के बीच बने गड्ढे को भरने का कार्य किया था। महिलाओं की इस पहल की क्षेत्रभर में सराहना हुई थी। लोगों का कहना था कि संबंधित विभागों की निष्क्रियता के बीच महिलाओं ने आगे बढ़कर संभावित दुर्घटनाओं को रोकने का सराहनीय प्रयास किया।

गुणवत्ता के साथ समय पर निर्माण पूरा करने की मांग : अब झारखंड सरकार द्वारा पुल निर्माण का कार्य आरसीपी एंड कंपनी को सौंपा गया है। सोमवार से जेसीबी मशीनों की सहायता से खुदाई और अन्य प्रारंभिक निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। निर्माण कार्य प्रारंभ होते ही स्थानीय ग्रामीणों, वाहन चालकों और सामाजिक संगठनों में खुशी का माहौल है।

लोगों का मानना है कि नए पुल के निर्माण से वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा और आवागमन अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनेगा। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य का स्वागत करते हुए मांग की है कि गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि पुल का निर्माण मजबूत और टिकाऊ होना चाहिए ताकि भविष्य में लोगों को किसी तरह की परेशानी या दुर्घटना का सामना न करना पड़े।

सड़क हादसे के एक माह बाद जिंदगी की जंग हार गए रोहित गोप, गांव में छाया मातम

पोटका दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की कटक में इलाज के दौरान मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

राजनगर/पोटका : राजनगर/पोटका क्षेत्र के हेंसल गांव निवासी रोहित गोप की सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। 15 जून की रात करीब 10 बजे ओडिशा के कटक स्थित एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी मृत्यु की खबर मिलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, 14 मई 2026 को पोटका थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन ने रोहित गोप को जोरदार टक्कर मार दी थी, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आई थीं। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोटका पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच), जमशेदपुर रेफर किया गया। वहां कई दिनों तक आईसीयू में उपचार चलने के बाद उन्हें कटक ले जाया गया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

परिवार का एकमात्र सहारा था रोहित : रोहित गोप अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके निधन के बाद परिवार गहरे संकट में आ गया है। पीछे उनकी पत्नी, दो छोटे पुत्र विपुन गोप (10 वर्ष) और जीतू गोप (8 वर्ष) के साथ वृद्ध माता-पिता रह गए हैं। बेटे की असमय मौत से माता-पिता पूरी तरह टूट चुके हैं और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के सामने अब आर्थिक और सामाजिक दोनों तरह की चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रोहित मेहनती और मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे, जिनकी असमय मृत्यु से पूरे गांव को गहरा आघात पहुंचा है। उनके निधन से न केवल परिवार, बल्कि गांव के लोगों ने भी एक जिम्मेदार और सहयोगी व्यक्ति को खो दिया है।

अंतिम दर्शन के लिए उमड़ी भीड़, परिजनों ने की सरकारी सहायता की मांग : मंगलवार शाम करीब 7 बजे रोहित गोप का पार्थिव शरीर हेंसल गांव पहुंचा, जहां अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हुए। पूरे गांव में शोक और संवेदना का माहौल बना रहा। इसके बाद सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान लोगों ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

कपाली पुलिस पर आदिवासी युवती से मारपीट का आरोप

पूछताछ के दौरान बंद कमरे में प्रताड़ना का दावा

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली ओपी पुलिस पर एक आदिवासी युवती ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। चांडिल थाना क्षेत्र के कांदरबेड़ा पुनर्वास कॉलोनी निवासी अल्पना माहली ने दावा किया है कि 15 जून की शाम उसे एक लापता युवती के मामले में पूछताछ के लिए कपाली ओपी बुलाया गया था। अल्पना के अनुसार, ओपी पहुंचने के बाद पुलिसकर्मियों ने उसकी सहेली तस्कीन खानम के संबंध में जानकारी मांगी। उसने आरोप लगाया कि पूछताछ के दौरान उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया और उसके साथ मारपीट की गई। युवती का कहना है कि घटना के समय ओपी प्रभारी भी वहां मौजूद थे। आरोप सामने आने के बाद क्षेत्र में इस मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं और लोगों के बीच पुलिस की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पीड़िता अल्पना माहली ने बताया कि उसकी सहेली तस्कीन खानम पिछले कुछ दिनों से लापता है। पुलिस को संदेह है कि तस्कीन के ठिकाने के बारे में उसे जानकारी हो सकती है, इसी आधार पर उसे पूछताछ के लिए बुलाया गया था। अल्पना के अनुसार, वर्ष 2018 में सिंहभूम कॉलेज, चांडिल में उसकी तस्कीन से दोस्ती हुई थी।

आरएसएस कार्यालय पर हमले की भाजपा नेता जटाशंकर पांडेय ने की कड़ी निंदा

रांची : भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. जटा शंकर पाण्डेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस घटना को कायरतापूर्ण एवं अत्यंत निंदनीय बताते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सद्भाव और सेवा कार्यों में निरंतर सक्रिय संस्था पर हमला किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने राज्य सरकार से दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि राजधानी में इस प्रकार की घटना कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। उन्होंने कहा कि यदि राजधानी में ही संस्थाएं सुरक्षित नहीं हैं, तो पूरे प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता स्वाभाविक है। उन्होंने इस घटना को सरकार की विफलता का परिचायक बताते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

हाता-चाईबासा मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों पर होगी निगरानी

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए राजनगर पुलिस की नई पहल, ओवरस्पीड वाहनों पर होगी कार्रवाई

- स्पीड डिटेक्शन डिवाइस की टेस्टिंग शुरू, ओवरस्पीडिंग बन रही हादसों की बड़ी वजह

राजनगर : हाता-चाईबासा मुख्य मार्ग पर लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राजनगर थाना पुलिस ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस प्रशासन ने इस व्यस्त मार्ग पर स्पीड डिटेक्शन डिवाइस के माध्यम से वाहनों की गति पर नजर रखने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत डिवाइस की टेस्टिंग प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से सड़क पर यातायात नियमों का बेहतर पालन सुनिश्चित किया जा सकेगा और दुर्घटनाओं में कमी लाने में मदद मिलेगी। यह कदम सड़क सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पुलिस के अनुसार हाता-चाईबासा मुख्य मार्ग पर बीते कुछ समय के दौरान तेज रफ्तार वाहनों के कारण सड़क दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है। कई लोगों की जान गई है, जबकि अनेक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जांच में पाया गया कि अधिकांश दुर्घटनाओं के पीछे ओवरस्पीडिंग प्रमुख कारण रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए स्पीड डिटेक्शन डिवाइस की व्यवस्था की गई है। यह उपकरण मार्ग से गुजरने वाले वाहनों की गति को रिकॉर्ड करेगा और निर्धारित सीमा से अधिक रफ्तार में चलने वाले वाहनों की पहचान करेगा। इसके आधार पर नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। राजनगर पुलिस का कहना है कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि वाहन चालकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। अधिकारियों ने लोगों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने तथा चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि आधुनिक तकनीक के प्रयोग से सड़क हादसों में कमी आएगी और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सड़क पर सुरक्षित यात्रा के लिए नियमों का पालन ही सबसे प्रभावी उपाय है।

ब्रीफ खबर

मोहर्रम को लेकर बहरागोड़ा में शांति समिति की बैठक

बहरागोड़ा : बहरागोड़ा थाना परिसर में मंगलवार शाम आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से संयुक्त शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) विकास आनंद लागुरी ने की, जबकि इसमें बहरागोड़ा और बरसोल थाना क्षेत्र के शांति समिति सदस्य, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अफवाहों से बचने तथा आपसी भाईचारे को मजबूत करने की अपील की। साथ ही सभी समुदायों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा गया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल प्रशासन को सूचना दें, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके। बैठक में मोहर्रम जुलूस, सुरक्षा व्यवस्था और आवश्यक प्रशासनिक तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। विशेष रूप से चरमराई यातायात व्यवस्था और लगातार बनी रहने वाली बिजली समस्या पर चिंता व्यक्त की गई।

फुलडुंगरी में भागमति सेवा सदन का हुआ उद्घाटन

घाटशिला : फुलडुंगरी स्थित धरम बहाल में शनिवार को भागमति सेवा सदन के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल का विधिवत उद्घाटन झारखंड के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. दिनेश षाड़ंगी ने किया। अस्पताल के निदेशक सह पूर्व रेंजर रामजी राय ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू, राम दास हांसदा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी भाग लिया। अपने संबोधन में डॉ. दिनेश षाड़ंगी ने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना आज की बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भागमति सेवा सदन के शुरू होने से घाटशिला एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी और गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को जनसेवा की भावना से कार्य करने तथा मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए शुभकामनाएं दीं।

ओलिंपियाड में चमके डीएवी गुवा के विद्यार्थी

गुवा : डीएवी पब्लिक स्कूल, गुवा के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विषयों के ओलिंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। हिंदी, आईसीटी सहित कई विषयों में विद्यार्थियों ने गोल्ड एवं सिल्वर पदक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सफल प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य प्रवीण कुमार ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। प्राचार्य प्रवीण कुमार ने कहा कि ओलिंपियाड जैसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में ज्ञान, तार्किक क्षमता, भाषाई दक्षता और तकनीकी कौशल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे मंच छात्रों को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्रदान करते हैं।

दिवंगत वार्ड सदस्य रतन मुंडा को पंचायत भवन में दी गई श्रद्धांजलि

बहरागोड़ा : खांडामौदा पंचायत भवन में बुधवार को एक विशेष शोक सभा का आयोजन कर वार्ड संख्या-6 के दिवंगत सदस्य रतन मुंडा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुखिया पंचानन मुंडा की अध्यक्षता में आयोजित सभा में पंचायत सचिव, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान सभी उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके सामाजिक योगदान को स्मरण किया।

विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका को किया गया याद : शोक सभा को संबोधित करते हुए मुखिया पंचानन मुंडा ने कहा कि रतन मुंडा का असामयिक निधन पूरे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने पंचायत क्षेत्र के विकास कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका और जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की। सभा के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

सिल्ली-मुरी क्षेत्र में बिजली संकट से जनता परेशान

मुरी : सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मुरी एवं आसपास के इलाकों में बिजली व्यवस्था को लेकर लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र में दिन हो या रात, बिजली की आंख-मिचौली लगातार जारी रहती है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। लोगों का आरोप है कि हल्की बारिश, तेज हवा या बादल छाने पर भी बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। ग्रामीणों के अनुसार बिजली विभाग की ओर से अक्सर तारों पर पेड़ की टहनियां गिरने या तकनीकी कारणों का हवाला दिया जाता है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। **जनप्रतिनिधियों से बढ़ी अपेक्षाएं, समाधान की मांग :** स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से जारी बिजली संकट के कारण घरेलू कार्यों, व्यवसाय और विद्यार्थियों की पढ़ाई पर भी असर पड़ रहा है। क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं की सक्रियता के बावजूद मूलभूत समस्याओं के समाधान को लेकर लोगों में निराशा देखी जा रही है। कई नागरिकों ने बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार, खराब लाइनों के रखरखाव और त्वरित मरम्मत व्यवस्था की मांग की है। लोगों का कहना है कि नियमित और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों को ठोस पहल करनी चाहिए।

सालदोहा के काजू जंगल में डटे गजराज, ग्रामीणों में दहशत

बहरागोड़ा : पाथरा पंचायत के सालदोहा स्थित काजू जंगल में तीन से अधिक जंगली हाथियों के डेरा जमाने से आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। बुधवार को हाथियों की मौजूदगी की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में भय फैल गया। स्थानीय लोगों के अनुसार हाथियों का झुंड रात के समय भोजन और पानी की तलाश में जंगल से निकलकर मटिहाना-चाकुलिया मुख्य मार्ग तक पहुंच जाता है। इससे राहगीरों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वहीं किसान अपनी फसलों और घरों को नुकसान पहुंचने की आशंका से चिंतित हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों की लगातार गतिविधियों के कारण लोगों का रात में बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।

वन विभाग ने जारी की सावधानी बरतने की अपील

स्थिति को देखते हुए वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रही है और हाथियों को सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास कर रही है। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे हाथियों के नजदीक न जाएं और उन्हें किसी भी प्रकार से उकसाने का प्रयास न करें। साथ ही रात के समय जंगल से सटे रास्तों पर अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी गई है। वन विभाग ने कहा कि सड़क पर हाथियों की मौजूदगी दिखाई देने पर लोग सतर्कता और धैर्य से काम लें। इधर, हाथियों की लगातार मौजूदगी से परेशान ग्रामीणों और किसानों ने प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

5 माह से वेतन नहीं मिलने पर एनएचएम कर्मियों का सदर अस्पताल में प्रदर्शन, भुगतान की मांग तेज

आर्थिक संकट से जूझ रहे कर्मचारियों ने प्रशासन से की तत्काल वेतन जारी करने की मांग, महासंघ ने दिया समर्थन

- महासंघ ने दिया साथ, वेतन भुगतान के लिए प्रशासन पर बढ़ा दबाव

जमशेदपुर : जमशेदपुर के सदर अस्पताल स्थित सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारियों ने लंबित वेतन भुगतान की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से पहुंचे बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें पिछले पांच महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि लगातार स्वास्थ्य सेवाएं देने के बावजूद वेतन भुगतान में हो रही देरी से उनकी परेशानी बढ़ती जा रही है। उन्होंने प्रशासन से अविलंब लंबित वेतन जारी करने की मांग करते हुए कहा कि इस समस्या का जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

पांच माह से वेतन नहीं, कर्मचारियों में बढ़ा असंतोष : धरना के दौरान कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को विस्तार से रखते हुए कहा कि वेतन नहीं मिलने से परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो गया है। कई कर्मचारी बच्चों की स्कूल फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं, जबकि दैनिक जरूरतों को पूरा करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई और लगातार बढ़ते घरेलू खर्चों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। कर्मचारियों ने कहा कि आर्थिक दबाव के बावजूद वे स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में पूरी जिम्मेदारी के साथ योगदान दे रहे हैं, लेकिन समय पर वेतन नहीं मिलने से उनका मनोबल प्रभावित हो रहा है।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे स्वास्थ्यकर्मियों ने रखी अपनी पीड़ा : एनएचएम कर्मचारियों के आंदोलन को झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ का भी समर्थन मिला। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र नाथ ठाकुर ने धरना स्थल पहुंचकर कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि पांच माह से वेतन लंबित रहना गंभीर मामला है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि महासंघ इस मुद्दे को जिला उपायुक्त और सिविल सर्जन के समक्ष मजबूती से उठाएगा तथा जल्द वेतन भुगतान सुनिश्चित कराने का प्रयास करेगा। कर्मचारियों ने प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

जमशेदपुर में बड़ी वारदात की साजिश नाकाम, देशी पिस्तौल और जिंदा गोली के साथ दो युवक गिरफ्तार

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम पुलिस ने बड़ी आपराधिक घटना की साजिश को समय रहते विफल कर दिया है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उलीडीह ओपी क्षेत्र के डिमना चौक के पास से एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान हथियार बेचने वाले दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ब्लू रंग की आर-15 मोटरसाइकिल पर अवैध आग्नेयास्त्र लेकर घूम रहा है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण (अतिरिक्त प्रभार नगर) के निर्देशन में पटमदा डीएसपी दयानंद कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया।

बरामद सामान

- एक 7.65 एमएम का देशी पिस्तौल
- एक 7.65 एमएम का जिंदा कारतूस
- आर-15 मोटरसाइकिल (JH05CN3828)

छापेमारी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली, जहां उसके पास से एक 7।65 एमएम का देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान अभिषेक कुमार उर्फ एसआरके (26) निवासी आस्था वैली, तामोलिया, कपाली थाना क्षेत्र, सरायकेला-खरसावां के रूप में हुई है।

पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने यह पिस्तौल

ओलडीह क्षेत्र के रहने वाले अभिषेक दास (25) से 30 हजार रुपये में खरीदी थी।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अभिषेक दास को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। छापेमारी दल में दयानंद कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, पटमदा. मो. शारिक अली, ओलडीह ओपी प्रभारी, अभिषेक कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक, अजय लकड़ा, सहायक अवर निरीक्षक, ओलडीह ओपी के रिजर्व गार्ड शामिल थे।

कदमा में ट्रैफिक पुलिस जवान के कब्जे से टाटा स्टील क्वार्टर खाली कराया गया

जमशेदपुर : जमशेदपुर के कदमा क्षेत्र में टाटा स्टील के एक आवासीय क्वार्टर पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, ट्रैफिक पुलिस के एक जवान ने टाटा स्टील के क्वार्टर पर करीब ढाई वर्षों से कब्जा कर रखा था। कंपनी की ओर से कई बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद जवान ने क्वार्टर खाली नहीं किया।शुक्रवार को टाटा स्टील के लैंड डिपार्टमेंट ने प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए क्वार्टर को खाली कराया। इस दौरान पुलिस बल और मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुई कार्रवाई के दौरान मौके पर काफी गहमागहमी का माहौल रहा। अधिकारियों की मौजूदगी में क्वार्टर को कब्जामुक्त कराया गया। टाटा स्टील की ओर से कहा गया कि कंपनी की संपत्तियों पर अवैध कब्जे के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

बागबेड़ा में बिजली लाइन पर झूल रही पेड़ों की टहनियां बनीं खतरा

ग्रामीणों ने दी चेतावनी, जल्द समाधान नहीं हुआ तो खुद करेंगे पेड़ों की कटाई

- बार-बार जंपर उड़ने और हादसे की आशंका से स्थानीय लोगों में बढ़ी चिंता

जमशेदपुर : बागबेड़ा थाना क्षेत्र के बड़ा तालाब मेड़ दक्षिणी पंचायत भवन के समीप तथा हरहरगुट्टू देवता भवन के पास बिजली लाइन से सटी पेड़ों की टहनियां स्थानीय लोगों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बनी हुई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पेड़ों की टहनियां बिजली तारों से लगातार टकरा रही हैं, जिसके कारण बार-बार जंपर उड़ जाता है और क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित होती रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों और बिजली मिस्त्रियों को आवेदन दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों के अनुसार कार्यपालक अभियंता ने एक माह पूर्व जल्द ही पेड़ों की छंटाई कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे क्षेत्र के लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

एक माह बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, बिजली आपूर्ति लगातार प्रभावित : स्थानीय निवासियों ने बताया कि हरहरगुट्टू देवता भवन के पास स्थित पेड़ कभी भी गिर सकते हैं, जिससे आसपास के मकानों और लोगों की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। लोगों का आरोप है कि लाइनमैन से संपर्क करने पर टालमटोल किया जाता है, जबकि समस्या उठाने पर कुछ असामाजिक तत्वों के माध्यम से धमकी दिलाने की भी शिकायत सामने आई है।

बबुआ सिंह, प्रमिला देवी, दीपक देवी, सुषमा देवी, विजय कुमार, अमित कुमार, रतन ठाकुर और अजय कुमार वर्मा समेत अन्य ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शनिवार तक पेड़ों की छंटाई नहीं कराई गई तो स्थानीय लोग स्वयं पेड़ काटने का कार्य शुरू कर देंगे। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता और ऐसी स्थिति में जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

जनहित से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं : उपायुक्त

डीसी ने जन शिकायत निवारण दिवस में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

जमशेदपुर : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जन शिकायत निवारण दिवस में उपायुक्त राजीव रंजन ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं को सुना तथा संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को मामलों का त्वरित एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान भूमि अधिग्रहण मुआवजा, फीस माफी, मारपीट एवं धमकी से संबंधित मामले, जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकान आवंटन, सड़क मरम्मती, दिव्यांग व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने, जमीन विवाद, भूमि पर अवैध दखल, मंईयां सम्मान योजना का लाभ दिलाने, पेयजल समस्या समेत विभिन्न जनहित एवं सामाजिक मुद्दों से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए।

उपायुक्त ने सभी मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का निष्पादन निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने कहा कि जन शिकायत निवारण दिवस प्रशासन और आमजन के बीच संवाद का एक प्रभावी माध्यम है, जिसके जरिए

नागरिक अपनी समस्याओं को सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखते हैं। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक आवेदन की गंभीरता से जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जनहित से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगा। सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि प्राप्त शिकायतों का संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ निष्पादन सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके।

साकची-मानगो मार्ग पर बस और कार की टक्कर, नुकसान को लेकर दोनों पक्षों में बहस

जमशेदपुर : साकची से मानगो जाने वाले व्यस्त मार्ग पर हाथी-घोड़ा मंदिर के समीप सोमवार को एक सड़क दुर्घटना हो गई। दुर्घटना में बस संख्या JH05CE9622 ने एक हुंडई क्रेटा कार को रगड़ दिया, जिससे कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा सड़क पर वाहन चलाने के दौरान हुआ। टक्कर के बाद मौके पर बस चालक, कंडक्टर और कार चालक के बीच वाहन को हुए नुकसान की भरपाई को लेकर काफी देर तक बहस होती रही।बस चालक और कंडक्टर का कहना था कि मामले में अंतिम निर्णय बस मालिक के आने के बाद ही लिया जाएगा। हालांकि खबर लिखे जाने तक बस मालिक घटनास्थल पर नहीं पहुंचे थे। फिलहाल दोनों पक्ष आपसी बातचीत के माध्यम से विवाद का समाधान निकालने का प्रयास कर रहे थे। घटना के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन स्थिति सामान्य बनी रही।

जदयू ने नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की उपायुक्त से की मांग

उपायुक्त से मिलकर सौंपा मांग पत्र, मानगो क्षेत्र की कई समस्याओं के क्रियान्वयन में देरी पर उठाया सवाल

- ट्रैफिक जांच में आदेशों का नहीं हो रहा पालन
- महीनों पहले टेंडर, अब तक नहीं लगी स्ट्रीट लाइट
- पेयजल कनेक्शन देने में टालमटोल कर रही जुस्को

जमशेदपुर : जनता दल (यूनाइटेड) पूर्वी सिंहभूम के जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को विभिन्न जनसमस्याओं, नागरिक सुविधाओं की बदहाल स्थिति तथा लंबित विकास योजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन की मांग को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि जमशेदपुर महानगर एवं जिले के विभिन्न शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं की स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है, जिससे आम जनता को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जदयू ने इन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रभावी कार्रवाई और समयबद्ध कार्ययोजना की मांग की। जदयू ने शहर में बढ़ती ट्रैफिक अव्यवस्था एवं जाम की समस्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्य चौक-चौराहों एवं बाजार क्षेत्रों में आम नागरिकों को प्रतिदिन भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। दिशा की बैठक में सीसीटीवी युक्त स्थानों पर वाहन जांच एवं चालान की कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन इसका अपेक्षित प्रभाव धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है। पार्टी ने मांग की कि यातायात पुलिस का मुख्य उद्देश्य यातायात व्यवस्था को नियंत्रित एवं सुचारु बनाए रखना होना चाहिए तथा नियम उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से ऑनलाइन चालान की प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए। ज्ञापन में चालान भुगतान प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने की मांग करते हुए कहा गया कि ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भुगतान की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे आम जनता को सुविधा मिले तथा ट्रैफिक पुलिस यातायात प्रबंधन पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सके।

पार्टी ने मानगो नगर निगम (एमएनएसी) क्षेत्र की समस्याओं को

प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना का टेन्डर महीनों पहले हो चुका है, लेकिन कार्य अब तक धरातल पर नहीं उतर पाया है। इसके अलावा खराब स्ट्रीट लाइटों को बदला नहीं जा रहा है तथा क्षेत्र में नियमित कचरा उठाव नहीं होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जदयू ने नियमित सफाई एवं कचरा निष्पादन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। ज्ञापन में जिले में गहराते पेयजल संकट का भी उल्लेख किया गया। पार्टी ने कहा कि कई क्षेत्रों में देर रात अथवा तड़के सुबह जलापूर्ति हो रही है, जिससे आम नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें रात में जागकर पानी भरना पड़ता है। जदयू ने मानगो क्षेत्र में इनडोर एवं आउटडोर स्टेडियम की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को उचित सुविधाएं एवं अवसर नहीं मिल पा रहा है। पार्टी ने शीघ्र स्टेडियम निर्माण की मांग की।

इसके अतिरिक्त जेएनएसी क्षेत्र में सड़कों एवं नालियों पर फैले कचरे, सफाई व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं तथा सफाई कर्मियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग भी की गई।

ज्ञापन में जुस्को द्वारा उपभोक्ताओं को पेयजल कनेक्शन संयोजन में आ रही कठिनाईयों के समाधान में अपनाई जा रही टालमटोल की नीति पर भी चिंता व्यक्त की गई तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की गई। जदयू ने उपायुक्त से आग्रह किया कि शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई तथा अन्य मूलभूत नागरिक सुविधाओं से जुड़ी लंबित समस्याओं के समाधान हेतु विशेष अभियान चलाया जाए तथा संबंधित विभागों को स्पष्ट कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाए। उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित करने का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, महानगर अध्यक्ष अजय कुमार, जिला महासचिव कुलविंदर सिंह पन्नू, प्रकाश कोया, प्रेम सक्सेना, संजीव सिंह, राजेश प्रसाद, प्रवीण सिंह, लालू गौड़, अर्जुन यादव, विजय सिंह, अशोक सिंह, मुश्ताक अहमद, विनोद सिंह, तारक मुखर्जी,दीपक गौड़, दिनेश सिंह, संजय सिंह, दीपक कुमार, सुष्मिता मंडल, गणेश चन्द्र सहित जनता दल (यूनाइटेड) के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ब्रीफ खबर

साकची बाजार में दिनदहाड़े फायरिंग से दहशत

जमशेदपुर : शहर के सबसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल साकची बाजार में शुक्रवार को दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। जुबली स्टॉल के समीप एक युवक द्वारा कथित रूप से गोली चलाए जाने के बाद बाजार में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक युवक पैदल जुबली स्टॉल के पास पहुंचा और लोगों में दहशत फैलाने की नीयत से एक राउंड फायरिंग कर मौके से फरार हो गया। गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास मौजूद दुकानदारों, ग्राहकों और राहगीरों में हड़कंप मच गया। अचानक हुई इस घटना से कुछ समय के लिए बाजार क्षेत्र में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, फायरिंग करने वाला युवक गोलमुरी क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। हालांकि, उसकी पहचान और घटना के पीछे की वजहों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

10 साल बाद भी नहीं मिला पानी, लोगों ने दी आंदोलन की चेतावनी

जमशेदपुर : जमशेदपुर के बागबेड़ा से सटे रामनगर बस्ती के सैकड़ों परिवारों ने बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत अब तक शुद्ध पेयजल की सुविधा नहीं मिलने पर शुक्रवार को दो बजे नाराजगी जताई है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 2016 में पंचायत के तत्कालीन मुखिया द्वारा प्रत्येक घर से 450 रुपये लेकर पानी कनेक्शन के लिए रसीद दी गई थी, लेकिन 10 वर्ष बीत जाने के बाद भी न तो इलाके में पाइपलाइन बिछाई गई और न ही किसी घर तक जलापूर्ति की व्यवस्था की गई। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी और निजी बोरिंग से पानी निकलना बंद हो गया है, जिसके कारण लोगों को 30 से 40 रुपये प्रति बोतल पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। इससे क्षेत्र में पेयजल संकट गहराता जा रहा है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि रामनगर बस्ती के निचले हिस्से में जल्द पाइपलाइन बिछाकर घर-घर पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं की गई तो क्षेत्र के लोग उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और सरकार की होगी।

घर का ताला काटकर कब्जा और सामान किया गायब

जमशेदपुर : बिरसानगर जोन नंबर-6 निवासी बाबूलाल कुमार परिडा ने वरीय पुलिस अधीक्षक (SSP) को लिखित शिकायत देकर अपने घर का ताला काटकर अवैध रूप से कब्जा करने और सामान गायब करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले में प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बाबूलाल कुमार परिडा ने बताया कि उनका मकान अभी पूरी तरह से तैयार नहीं हुआ है। आरोप है कि कृति नेहा विग्गा ने 8 से 10 महिलाओं के साथ मिलकर बिरसानगर थाना पुलिस की कथित मदद से उनके घर का ताला कटर से काट दिया और घर में प्रवेश कर कब्जा कर लिया। परिडा का कहना है कि घर में रखे गए ग्रेनाइट, टाइल्स, बर्तन और अन्य निर्माण सामग्री भी गायब हैं। उन्होंने दावा किया कि ताला काटकर घर में प्रवेश करने की पूरी घटना के वीडियो और फोटो उनके पास मौजूद हैं, जिन्हें उन्होंने पुलिस को भी दिखाया है। इसके बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। शिकायतकर्ता ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने कोल्हान डीआईजी और अन्य पुलिस अधिकारियों को भी आवेदन दिया है।

DLSA ने कस्तूरबा विद्यालय के छात्राओं को दी गई कानून की जानकारी

जमशेदपुर : नालसा एवं झालसा के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) जमशेदपुर के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे 90 दिवसीय सघन जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को गालूडीह बराज स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डालसा सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी ने छात्राओं को नागरिकों के मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, बाल विवाह, बाल श्रम, चाइल्ड प्रोटेक्शन और पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लेकर विधिक जानकारी प्राप्त की। शिविर के दौरान लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य मनोज कुमार सिंह ने डालसा के कार्य एवं उद्देश्यों के साथ-साथ डायन प्रथा, मानव तस्करी और बाल तस्करी जैसे सामाजिक अपराधों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में विद्यालय की वार्डेन अंजना कुमारी, पीएलवी सदस्य एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मानगो में झामुमो नेत्री बाली मार्डी का भव्य स्वागत

जमशेदपुर : जमशेदपुर के मानगो स्थित डिमना चौक पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की महिला नेत्री बाली मार्डी का कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। झामुमो नेता उज्ज्वल दास के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल-माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित रहे और संगठन की मजबूती को लेकर अपने विचार साझा किए।

क्षेत्र की समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन : स्वागत कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने बाली मार्डी को मानगो क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराया। इस पर उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। मौके पर झामुमो नेता उज्ज्वल दास, हेप्पी तन्तुबाई, बुधनी सुंडी, शिवानी पातर, सुमित्रा देवी, प्रमिला तन्तुबाई, आशा सोरेन, ममता कुम्भकार, आकांक्षा पातर, प्रिया तन्तुबाई, खुशबू कुजूर, मोनिका सुंडी, देवांगी महतो, रूबी प्रामाणिक, निकिता मुर्मू, अनिता सोरेन, रीना हांसदा और नेहा बास्के सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केन्द्रीय भ्रष्टाचार निरोधक जांच ब्यूरो ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जमशेदपुर : केन्द्रीय भ्रष्टाचार निरोधक जांच ब्यूरो ने पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिंक रोड कदमा एवं कदमा मार्केट, मेनरोड जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम के समीप छायादार एवं फलदार वृक्ष के पौधे वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय अधिकारियों, झारखंड प्रदेश पदाधिकारियों तथा विभिन्न जिलों के अधिकारियों की उपस्थिति में आम नागरिकों के बीच विभिन्न प्रजातियों के लगभग 100 पौधों का वितरण किया गया। साथ ही नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने एवं प्रकृति के संरक्षण हेतु सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, अधिक से अधिक वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना तथा पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति समाज को सचेत करना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को वृक्षों के महत्व, जल संरक्षण, स्वच्छता तथा प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर संस्थापक अजीत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई तथा प्राकृतिक संसाधनों के अनियंत्रित दोहन के कारण पर्यावरणीय संतुलन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर पर्यावरणीय संकटों का सामना करना पड़ सकता है। मौके पर संस्था के काफ़ी लोग उपस्थित थे।